THE NEWSLETTER

Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972

NAAC GRADE A+
ACCREDITED UNIVERSITY

DBU School of Hotel Management and Tourism Hosts Alumni Meet "Back to Campus"

Desh Bhagat University School of Hotel Management and Tourism successfully organized its alumni meet "Back to Campus" at the university campus. The event brought together former students from various batches, offering them a memorable opportunity to reconnect with their alma mater, faculty members, and fellow alumni.

The program commenced with a warm welcome address by Dr. Aman Sharma, Director and Dr. Rupinder Kaur, Associate Professor, followed by a vibrant cultural presentation by current students. Distinguished alumni shared their inspiring success stories and career journeys, while also expressing gratitude to the department for shaping their professional and personal growth.

The event was graced by the presence of the university's leadership, including Honorable Chancellor Dr. Zora Singh, Pro Chancellor Dr. Tajinder Kaur and Vice Chancellor Dr. Harsh Sadawarti.They applauded the enthusiastic participation of the alumni and highlighted the importance of strengthening alumni networks for future collaborations, mentorship opportunities, and the university's overall development.

The event concluded with a heartfelt vote of thanks delivered by Mr. Gurkiran Singh Mann, followed by a networking lunch. The meet left behind cherished moments of nostalgia, joy, and a renewed sense of belonging to the university community.

डीबीयू स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड टूरिज्म की ओर से एलुमनी मीट 'बैक टू कैंपस' का आयोजन

देश भगत यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड टूरिज्म की ओर से यूनिवर्सिटी परिसर में अपने पूर्व छात्रों के लिए एलुमनी मीट 'बैक टू कैंपस' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न बैचों के पूर्व छात्र एकत्रित हुए और उन्हें अपने संस्थान, फेकलटी सदस्यों और पूर्व साथी छात्रों से फिर से जुडने का एक यादगार अवसर प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक डॉ. अमन शर्मा और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रूपिंदर कौर के गर्मजोशी भरे स्वागती भाषण से हुई, जिसके बाद वर्तमान छात्रों ने एक जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

इस मौके प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों ने अपनी प्रेरक सफलता की कहानियाँ और करियर के सफर को साझा किया, साथ ही अपने पेशेवर और व्यक्तिगत विकास को आकार देने के लिए विभाग के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के माननीय चांसलर डॉ. जोरा सिंह, प्रो चांसलर डॉ. तजिंदर कौर और वाईस चांसलर डॉ. हर्ष सदावर्ती शामिल थे। उन्होंने पूर्व छात्रों की उत्साही भागीदारी की सराहना की और भविष्य के सहयोग, मार्गदर्शन के अवसरों और यूनिवर्सिटी के समग्र विकास के लिए पूर्व छात्र नेटवर्क को मजबूत करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम का समापन गुरकिरण सिंह मान के हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस मुलाकात ने पुरानी यादों, खुशी और यूनिवर्सिटी समुदाय से जुड़ाव की एक नई भावना के अनमोल पल पीछे छोड़ दिए।

THE NEWSLETTER

Desh Bhagat University Welcomes Delegation from the High Commission of Papua New Guinea

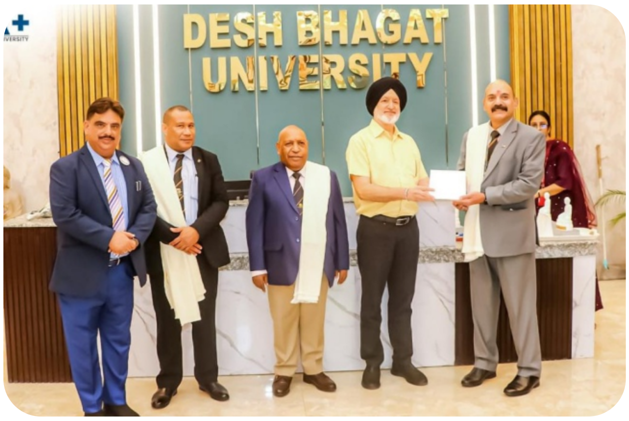

Desh Bhagat University (NAAC A+) extended a warm welcome to a distinguished delegation from the High Commission of Papua New Guinea, led by H.E. Mr. Vincent W. Sumale, High Commissioner, accompanied by Mr. Philibert Keaike, First Secretary, and Mr. Barun Mukherjee, Finance Officer.

The delegation was received by Dr. Zora Singh, Chancellor, and Dr. Harsh Sadawarti, Vice-Chancellor, along with members of the senior management team and students from Papua New Guinea studying at the university.

During the visit, the High Commissioner appreciated Desh Bhagat University's inclusive academic, Healthcare environment and its strong student support initiatives. The meeting featured productive discussions on enhancing educational collaboration and exploring the signing of a Memorandum of Understanding (MoU) to strengthen academic and cultural ties between Desh Bhagat University and Papua New Guinea.

Students from Papua New Guinea, along with students from various states of India, presented vibrant cultural performances featuring traditional songs and dances that celebrated friendship, diversity, and unity.

H.E. Mr. Vincent W. Sumale, together with Mr. Philibert Keaike and Mr. Barun Mukherjee, interacted warmly with the Papua New Guinean student community, applauding their achievements and encouraging them to continue excelling in their academic pursuits.

The event reflected Desh Bhagat University's commitment to fostering a global and inclusive learning environment, where cultures come together through education, art, and mutual respect.

देश भगत विश्वविद्यालय ने पापुआ न्यू गिनी के उच्चायोग के प्रतिनिधिमंडल का किया स्वागत

देश भगत विश्वविद्यालय (छ।।ब .।) ने पापुआ न्यू गिनी के उच्चायोग के एक प्रतिष्ठित प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उच्चायुक्त श्री विंसेंट डब्ल्यू. सुमाले ने किया, जिनके साथ प्रथम सचिव श्री फिलिबर्ट कीके और वित्त अधिकारी श्री बरुण मुखर्जी भी थे।

प्रतिनिधिमंडल का स्वागत कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह और कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती के साथ–साथ वरिष्ठ प्रबंधन दल के सदस्यों और विश्वविद्यालय में अध्ययनरत पापुआ न्यू गिनी के छात्रों ने किया।

इस यात्रा के दौरान, उच्चायुक्त ने देश भगत विश्वविद्यालय के समावेशी शैक्षणिक वातावरण और छात्रों के लिए इसके सशक्त समर्थन प्रयासों की सराहना की। बैठक में शैक्षिक सहयोग बढ़ाने और देश भगत विश्वविद्यालय और पापुआ न्यू गिनी के बीच शैक्षणिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की संभावनाओं पर सार्थक चर्चा हुई।

पापुआ न्यू गिनी के छात्रों ने भारत के विभिन्न राज्यों के छात्रों के साथ मिलकर पारंपरिक गीतों और नृत्यों के साथ जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें मित्रता, विविधता और एकता का जश्न मनाया गया।

माननीय श्री विंसेंट डब्ल्यू. सुमाले ने श्री फिलिबर्ट केइके और श्री बरुण मुखर्जी के साथ मिलकर पापुआ न्यू गिनी के छात्र समुदाय के साथ गर्मजोशी से बातचीत की, उनकी उपलब्धियों की सराहना की और उन्हें अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्टता जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

यह कार्यक्रम देश भगत विश्वविद्यालय की एक वैश्विक और समावेशी शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जहाँ शिक्षा, कला और पारस्परिक सम्मान के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियाँ एक साथ आती हैं।

Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972

NAAC GRADE A+
ACCREDITED UNIVERSITY

THE NEWSLETTER

DBGS Hosts 'Swachhata Hi Seva 2025' Activities Under Swachh Bharat Mission Internship

Desh Bhagat Global School (DBGS) proudly organized various activities under the Swachh Bharat Mission Internship themed "Swachhata Hi Seva – 2025." The internship, held from September 15 to October 2, 2025, involved students from Classes 4 to 12 in creative cleanliness initiatives.

As part of the program, students from Classes 4–8 and 9–12 participated in a painting competition, creatively expressing their ideas on cleanliness and hygiene. In addition, students showcase their talent and environmental awareness by creating art pieces from waste materials, emphasizing innovation and sustainability through the concept of "Best Out of Waste."

Several nearby schools also joined the initiative, fostering community collaboration.

The occasion was graced by esteemed guests Mr. Sandeep Kumar (Superintendent Sanitation), Mr. Harpreet Singh (Community Facilitator), and Ms. Sanyogita (Sanitary Inspector) , who served as Guests of Honour and appreciated the efforts of the participating students and institutions.

DBGS Chairman Dr. Zora Singh and General Secretary Dr. Tajinder Kaur extended their wholehearted support to the initiative, encouraging students to actively contribute to the vision of a cleaner and greener India.

During the event, several schools received 1st, 2nd, and 3rd positions for their outstanding performances.

Through this internship, DBGS students continue to set an example for beautiful Mandi Gobindgarh, in close collaboration with the Nagar Council.

देश भगत ग्लोबल स्कूल की ओर से स्वच्छ भारत मिशन इंटर्नशिप के तहत स्वच्छता ही सेवा गतिविधियों का आयोजन

देश भगत विश्वविद्यालय (छ।।ह ।) ने पापुआ न्यू गिनी के उच्चायोग के एक प्रतिष्ठित प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उच्चायुक्त श्री विंसेंट डब्ल्यू. सुमाले ने किया, जिनके साथ प्रथम सचिव श्री फिलिबर्ट कीके और वित्त अधिकारी श्री बरुण मुखर्जी भी थे।

प्रतिनिधिमंडल का स्वागत कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह और कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती के साथ–साथ वरिष्ठ प्रबंधन दल के सदस्यों और विश्वविद्यालय में अध्ययनरत पापुआ न्यू गिनी के छात्रों ने किया।

इस यात्रा के दौरान, उच्चायुक्त ने देश भगत विश्वविद्यालय के समावेशी शैक्षणिक वातावरण और छात्रों के लिए इसके सशक्त समर्थन प्रयासों की सराहना की। बैठक में शैक्षिक सहयोग बढ़ाने और देश भगत विश्वविद्यालय और पापुआ न्यू गिनी के बीच शैक्षणिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की संभावनाओं पर सार्थक चर्चा हुई।

पापुआ न्यू गिनी के छात्रों ने भारत के विभिन्न राज्यों के छात्रों के साथ मिलकर पारंपरिक गीतों और नृत्यों के साथ जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें मित्रता, विविधता और एकता का जश्न मनाया गया।

माननीय श्री विंसेंट डब्ल्यू. सुमाले ने श्री फिलिबर्ट केइके और श्री बरुण मुखर्जी के साथ मिलकर पापुआ न्यू गिनी के छात्र समुदाय के साथ गर्मजोशी से बातचीत की, उनकी उपलब्धियों की सराहना की और उन्हें अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्टता जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

यह कार्यक्रम देश भगत विश्वविद्यालय की एक वैश्विक और समावेशी शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जहाँ शिक्षा, कला और पारस्परिक सम्मान के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियाँ एक साथ आती हैं।

Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972

NAAC GRADE A+
ACCREDITED UNIVERSITY

THE NEWSLETTER

Desh Bhagat University Expands Globally with New Medical Campus in St. Vincent Offering MBBS Degree

Desh Bhagat University (NAAC GRADE A+) has expanded its reach by established a second campus Desh Bhagat University Americas School of Medicine in St. Vincent and the Grenadines, located in the North American continent. This new campus offers students the opportunity to pursue a medical degree (MBBS program), furthering the university's commitment to providing quality education in the field of medicine.

During an interaction with media persons here today, Dr. Harsh Sadawarti, Vice Chancellor of Desh Bhagat University, said that Students can choose to join Desh Bhagat University (DBUA) Americas School of Medicine for several reasons: The program may offer pathways for students to pursue clinical rotations in the United States, providing valuable international exposure and experience in the U.S. healthcare system. Desh Bhagat University Americas School of medicine is accredited and recognized by relevant authorities, it ensures that the education provided meets certain quality standards, which is essential for future licensure and practice.

He said that a comprehensive curriculum and experienced faculty attract students seeking quality medical education. DBUA offer a curriculum aligned with international standards, preparing students for exams like the USMLE. Compared to medical schools in some other countries, DBUA offer more affordable tuition rates, making medical education accessible to a broader range.

Speaking on the occasion, Dr. Harsh Sadawarti said that State-of-the-art infrastructure, modern laboratories, and well-equipped classrooms are the significant draw for students looking for a conducive learning environment. Desh Bhagat University Americas offers dedicated support and resources for preparing for the USMLE exams; it can be a significant advantage for students aiming to practice medicine in the United States. Graduates from DBUA may have good career prospects, whether they choose to practice in St Vincent and the Grenadines, the U.S., or other international locations.

Er. Arun Malik, Director of Operations at Desh Bhagat University Americas School of Medicine, shared his insights during the conference with the media persons. He said that envisions building a strong nation by producing competent healthcare professionals through the Desh Bhagat University Americas School of Medicine. His goal is to ensure that graduates not only excel in their medical careers but also contribute significantly to global healthcare.

He discussed the value of enrolling in the Desh Bhagat University Americas School of Medicine, emphasizing how the institution's comprehensive medical education can significantly benefit students' careers. Malik highlighted the school's focus on producing skilled healthcare professionals who are well-prepared to serve the nation.

He said that the University has ultra-modern facilities available for its students. He said that the Desh Bhagat University is synonymous with quality education. It has managed to create a brand name which stands for exceptional faculty strength and full-fledged infrastructure facilities.

देश भगत यूनिवर्सिटी का अंतरराष्ट्रीय विस्तारः उत्तरी अमेरिका में नए मेडिकल कैंपस की शुरुआत, छात्रों को मिलेगा एमबीबीएस में सुनहरा अवसर

देश भगत यूनिवर्सिटी (नैक ग्रेड ए) ने उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप में स्थित सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस में दूसरा कैंपस देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास स्कूल ऑफ मेडिसिन स्थापित कर अपनी पहुंच का विस्तार किया है। यह नया कैंपस छात्रों को मेडिकल डिग्री (एमबीबीएस प्रोग्राम) हासिल करने का अवसर प्रदान करता है, जो चिकित्सा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाता है।

आज यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान देश भगत यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर डॉ. हर्ष सदावर्ती ने कहा कि छात्र कई कारणों से देश भगत यूनिवर्सिटी (डीबीयू) अमेरिकास स्कूल ऑफ मेडिसिन में शामिल होना चुन रहें हैं। यह कार्यक्रम छात्रों को संयुक्त राज्य अमेरिका में क्लीनिकल रोटेशन करने के लिए मार्ग प्रदान करता है, जिससे उन्हें अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में मूल्यवान अंतर्राष्ट्रीय अनुभव प्राप्त होगा। देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास स्कूल ऑफ मेडिसिन को संबंधित अर्थाटीज द्वारा मान्यता प्राप्त है, यह सुनिश्चित करता है कि प्रदान की गई शिक्षा कुछ गुणवत्ता मानकों को पूरा करती है, जो भविष्य में लाइसेंस और अभ्यास के लिए आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि एक व्यापक पाठ्यक्रम और अनुभवी फैकल्टी गुणवत्तापूर्ण चिकित्सक शिक्षा चाहने वाले छात्रों को आकर्षित करते हैं। देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो छात्रों को यूएसएमएलई जैसी परीक्षाओं के लिए तैयार करता है। कुछ अन्य देशों के मेडिकल स्कूलों की तुलना में, डीबीयूए अधिक किफायती ट्यूशन दरें प्रदान करता है, जिससे चिकित्सा शिक्षा व्यापक श्रेणी के लिए सुलभ हो जाती है।

इस अवसर पर बोलते हुए वाईस चांसलर डॉ.हर्ष सदावर्ती ने कहा कि अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा, आधुनिक प्रयोगशालाएँ और अच्छी तरह से सुसज्जित कक्षाएँ अनुकूल शिक्षण वातावरण की तलाश करने वाले छात्रों के लिए महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास यूएसएमएलई परीक्षाओं की तैयारी के लिए समर्पित सहायता और संसाधन प्रदान करता हैय यह संयुक्त राज्य अमेरिका में चिकित्सा का अभ्यास करने के इच्छुक छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण लाभ हो सकता है। डीबीयूए से स्नातक करने वालों के पास अच्छे करियर की संभावनाएँ हो सकती हैं, चाहे वे सेंटविंसेंट और ग्रेनेडाइंस, अमेरिका या अन्य अंतरराष्ट्रीय स्थानों में अभ्यास करना चुनते हैं।

देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास स्कूल ऑफ मेडिसिन के संचालन निदेशक इंज. अरुण मलिक ने सम्मेलन के दौरान मीडिया कर्मियों के साथ अपने अनुभव सांझा किए। उन्होंने कहा कि देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास स्कूल ऑफ मेडिसिन के माध्यम से सक्षम स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों का निर्माण कर एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करना उनका लक्ष्य है। उनका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि स्नातक न केवल अपने चिकित्सा करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करें बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य सेवा में भी महत्वपूर्ण योगदान दें।

उन्होंने देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास स्कूल ऑफ मेडिसिन में दाखिला लेने के महत्व पर चर्चा की और इस बात पर जोर दिया कि संस्थान की व्यापक चिकित्सा शिक्षा छात्रों के करियर को किस तरह से महत्वपूर्ण रूप से लाभ पहुंचा सकती है। मलिक ने कुशल स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को तैयार करने पर स्कूल के फोकस को प्रगट किया, जो राष्ट्र की सेवा करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि देश भगत यूनिवर्सिटी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का पर्याय है। यह एक ऐसा ब्रांड नाम बनाने में कामयाब रहा है जो बेमिसाल फैकल्टी ताकत और पूर्ण बुनियादी सुविधाओं के लिए ना जाता है।

THE NEWSLETTER

Desh Bhagat University Expands Globally with New Medical Campus in St. Vincent Offering MBBS Degree

An Online Faculty Development Programme was successfully organized by AIU-DBU-AADC, focusing on the effective use of technological tools and holistic approaches to teaching and learning. The five-day programme, witnessed active participation from 78 faculty members of Desh Bhagat University and other institutions.

The programme commenced with the opening remarks from Prof. (Dr.) H.K. Sidhu, AIU-DBU-AADC Coordinator, who emphasized the importance of experiential learning and holistic development in modern education.

Chancellor of Desh Bhagat University, Dr. Zora Singh highlighted that such initiatives not only enhance faculty competence but also contribute to institutional growth.

Day 1 featured insights from Dr. Sandeep Singhai, Senior Scientist, AMPRI Bhopal, who discussed the role of education in nurturing emotional, ethical, and intellectual growth.

Day 2 saw Prof. (Dr.) Praveen Bansal, Former Professor, Baba Farid University, emphasizing the integration of Ayurvedic science and technology.

On Day 3, Prof. (Dr.) Naveen Kumar from Chitkara University conducted a hands-on session on ethical research practices and AI tools for research enhancement.

Day 4 featured Dr. Raman Kumar Sehgal, GNE Ludhiana, who discussed the role of technology in promoting global learning and holistic student development.

On the concluding Day, Dr. Harpreet Singh Mahal from GGNIMT, Ludhiana, spoke on ensuring quality of life for both students and faculty, emphasizing problem-solving and resilience.

The programme concluded with a valedictory session where Vice Chancellor Prof. (Dr.) Harsh Sadawarti lauded the efforts of AIU-DBU-AADC for organizing a meaningful FDP. Dr. H.K. Sidhu presented the vote of thanks.

एआईयू-डीबीयू-एएडीसी की ओर से तकनीकी उपकरणों पर ऑनलाइन फैकल्टी विकास कार्यक्रम का आयोजन

देश भगत यूनिवर्सिटी (नैक ग्रेड ए) ने उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप में स्थित सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस में दूसरा कैंपस देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास स्कूल ऑफ मेडिसिन स्थापित कर अपनी पहुंच का विस्तार किया है। यह नया कैंपस छात्रों को मेडिकल डिग्री (एमबीबीएस प्रोग्राम) हासिल करने का अवसर प्रदान करता है, जो चिकित्सा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाता है।

आज यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान देश भगत यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर डॉ. हर्ष सदावर्ती ने कहा कि छात्र कई कारणों से देश भगत यूनिवर्सिटी (डीबीयू) अमेरिकास स्कूल ऑफ मेडिसिन में शामिल होना चुन रहें हैं। यह कार्यक्रम छात्रों को संयुक्त राज्य अमेरिका में क्लीनिकल रोटेशन करने के लिए मार्ग प्रदान करता है, जिससे उन्हें अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में मूल्यवान अंतर्राष्ट्रीय अनुभव प्राप्त होगा। देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास स्कूल ऑफ मेडिसिन को संबंधित अर्थाटीज द्वारा मान्यता प्राप्त है, यह सुनिश्चित करता है कि प्रदान की गई शिक्षा कुछ गुणवत्ता मानकों को पूरा करती है, जो भविष्य में लाइसेंस और अभ्यास के लिए आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि एक व्यापक पाठ्यक्रम और अनुभवी फैकल्टी गुणवत्तापूर्ण चिकित्सक शिक्षा चाहने वाले छात्रों को आकर्षित करते हैं। देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो छात्रों को यूएसएमएलई जैसी परीक्षाओं के लिए तैयार करता है। कुछ अन्य देशों के मेडिकल स्कूलों की तुलना में, डीबीयूए अधिक किफायती ट्यूशन दरें प्रदान करता है, जिससे चिकित्सा शिक्षा व्यापक श्रेणी के लिए सुलभ हो जाती है।

इस अवसर पर बोलते हुए वाईस चांसलर डॉ.हर्ष सदावर्ती ने कहा कि अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा, आधुनिक प्रयोगशालाएँ और अच्छी तरह से सुसज्जित कक्षाएँ अनुकूल शिक्षण वातावरण की तलाश करने वाले छात्रों के लिए महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास यूएसएमएलई परीक्षाओं की तैयारी के लिए समर्पित सहायता और संसाधन प्रदान करता हैय यह संयुक्त राज्य अमेरिका में चिकित्सा का अभ्यास करने के इच्छुक छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण लाभ हो सकता है। डीबीयूए से स्नातक करने वालों के पास अच्छे करियर की संभावनाएँ हो सकती हैं, चाहे वे सेंटविंसेंट और ग्रेनेडाइंस, अमेरिका या अन्य अंतरराष्ट्रीय स्थानों में अभ्यास करना चुनते हैं।

देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास स्कूल ऑफ मेडिसिन के संचालन निदेशक इंज. अरुण मलिक ने सम्मेलन के दौरान मीडिया कर्मियों के साथ अपने अनुभव सांझा किए। उन्होंने कहा कि देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास स्कूल ऑफ मेडिसिन के माध्यम से सक्षम स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों का निर्माण कर एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करना उनका लक्ष्य है। उनका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि स्नातक न केवल अपने चिकित्सा करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करें बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य सेवा में भी महत्वपूर्ण योगदान दें।

उन्होंने देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास स्कूल ऑफ मेडिसिन में दाखिला लेने के महत्व पर चर्चा की और इस बात पर जोर दिया कि संस्थान की व्यापक चिकित्सा शिक्षा छात्रों के करियर को किस तरह से महत्वपूर्ण रूप से लाभ पहुंचा सकती है। मलिक ने कुशल स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को तैयार करने पर स्कूल के फोकस को प्रगट किया, जो राष्ट्र की सेवा करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि देश भगत यूनिवर्सिटी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का पर्याय है। यह एक ऐसा ब्रांड नाम बनाने में कामयाब रहा है जो बेमिसाल फैकल्टी ...त और पूर्ण बुनियादी सुविधाओं के लिए जाना जाता है।

Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972
NAAC GRADE A+
ACCREDITED UNIVERSITY

THE NEWSLETTER

Desh Bhagat University Observes World Mental Health Day with Community Outreach Program

The Placebo Club, Faculty of Pharmacy, and Community Club, Faculty of Nursing, Desh Bhagat University, in collaboration with the Institution's Innovation Council (IIC) and IQAC, organized a one-day community outreach program at village Saunti under Amloh sub division district Sri Fatehgarh Sahib, to mark World Mental Health Day.

The event was held under the supervision of Dr. Shafkat Hussain, Dr. Imtiyaz Hussain, Ms. Lovepreet Kaur and Ms. Karanpreet from the School of Pharmacy and Nursing College. This year's theme, "Access to Services – Mental Health in Catastrophes and Emergencies," aimed to raise awareness about the importance of mental health services during crises such as natural disasters, conflicts and pandemics.

Students from B. Pharm (V Semester), Pharm. D, and Nursing programs actively participated in a series of awareness activities, including a Mental Health Rally, Awareness Session, Quiz Competition, and Poster Presentation. Through these initiatives, participants educated the local community on stress management, trauma care, coping strategies, and the significance of seeking timely psychological support.

The event fostered collaboration between the Pharmacy and Nursing departments and strengthened the students' communication and leadership skills. It successfully promoted mental health awareness, community engagement, and resilience during emergencies.

Community members appreciated the students' efforts and expressed gratitude for the informative and compassionate initiative.

The outreach program effectively achieved its objectives of promoting mental well-being and encouraging accessible mental health care.

देश भगत यूनिवर्सिटी ने सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम के साथ मनाया विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

देश भगत यूनिवर्सिटी के फार्मेसी फैकल्टी के प्लेसबो क्लब और नर्सिंग फैकल्टी के सामुदायिक क्लब की ओर से इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) और आईक्यूएसी के सहयोग से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में अमलोह के गांव सौंटी में एक दिवसीय सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम स्कूल ऑफ फार्मेसी एंड नर्सिंग कॉलेज के डॉ. शफकत हुसैन, डॉ. इम्तियाज हुसैन,लवप्रीत कौर और करणप्रीत की देखरेख में आयोजित किया गया। इस वर्ष की थीम, सेवाओं तक पहुँच – आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य, का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं, संघर्षों और महामारियों जैसे संकटों के दौरान मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना हे।

बी.फार्मा (पाँचवाँ सेमेस्टर), फार्म.डी. और नर्सिंग कार्यक्रमों के छात्रों ने मानसिक स्वास्थ्य रैली, जागरूकता सत्र, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और पोस्टर प्रस्तुति सहित जागरूकता गतिविधियों की एक श्रृंखला में सक्रिय रूप से भाग लिया। इन पहलों के माध्यम से, प्रतिभागियों ने स्थानीय समुदाय को तनाव प्रबंधन, आघात देखभाल, उससे निपटने की रणनीतियों और समय पर मनोवैज्ञानिक सहायता प्राप्त करने के महत्व के बारे में शिक्षित किया।

इस आयोजन ने फार्मेसी और नर्सिंग विभागों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया और छात्रों के संचार और नेतृत्व कौशल को मजबूत किया। इसने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता और आपात स्थितियों के दौरान लचीलेपन को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया।

इस दौरान समुदाय के सदस्यों ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की तथा इस जानकारीपूर्ण एवं सहानुभूतिपूर्ण पहल के लिए आभार व्यक्त किया।

इस आउटरीच कार्यक्रम ने मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने और सुलभ मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को प्रोत्साहित करने के अपने उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त किया।

THE NEWSLETTER

DBU Observes International Girl Child Day with Gender Sensitization Programme

The Faculty of Agriculture and Life Sciences at Desh Bhagat University organized a special programme on "Gender Sensitization on International Girl Child Day" under the aegis of the Agrim Club, in collaboration with the Women Grievance Cell/ICC and the Ek Bharat Shreshtha Bharat Cell.

The event commenced with a warm welcome extended to Chancellor Dr. Zora Singh and Pro-Chancellor Dr. Tajinder Kaur, followed by the traditional lamp lighting ceremony and Saraswati Puja. Dr. H.K. Sidhu delivered the welcome address, underscoring the significance of empowering the girl child and advancing gender equality in all spheres of life.

The programme featured a series of heartfelt student performances, including a dance, a poem, and a speech, all celebrating the rights, value, and potential of the girl child.

The event concluded with a Vote of Thanks by Dr. H.K. Sidhu, who expressed his appreciation for the dedication and contributions of all participants and organizers.The initiative provided a thoughtful platform to raise awareness and promote respect, equality, and empowerment for the girl child in our society.

डीबीयू ने लैंगिक संवेदनशीलता कार्यक्रम के साथ अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया

देश भगत विश्वविद्यालय के कृषि एवं जीव विज्ञान संकाय ने महिला शिकायत प्रकोष्ठध्आईसीसी और एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ के सहयोग से अग्रीम क्लब के तत्वावधान में ''अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर लैंगिक संवेदनशीलता'' पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह और प्रो—चांसलर डॉ. तजिंदर कौर के गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह और सरस्वती पूजा हुई। डॉ. एच.के. सिद्धू ने स्वागत भाषण दिया और बालिकाओं को सशक्त बनाने और जीवन के सभी क्षेत्रों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया।

कार्यक्रम में छात्रों द्वारा भावपूर्ण प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की गई, जिसमें एक नृत्य, एक कविता और एक भाषण शामिल था, जिसमें बालिकाओं के अधिकारों, मूल्यों और क्षमता का जश्न मनाया गया।

कार्यक्रम का समापन डॉ. एच.के. सिद्धू के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। सिद्धू ने सभी प्रतिभागियों और आयोजकों के समर्पण और योगदान की सराहना की। इस पहल ने हमारे समाज में बालिकाओं के प्रति सम्मान, समानता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और जागरूकता बढ़ाने के लिए एक विचारशील मंच प्रदान किया।

Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972
NAAC GRADE A+
ACCREDITED UNIVERSITY

THE NEWSLETTER

Desh Bhagat University Marks World Mental Health Day 2025 with Week-Long Awareness Drive

The Department of Clinical Psychology, under the Faculty of Education, Desh Bhagat University, celebrated World Mental Health Day 2025 with great enthusiasm under the Educere Club, based on the theme “Access to Services – Mental Health in Catastrophes and Emergencies.”

The week-long celebration commenced with “Shubhaarambh”, inaugurating the Mental Health Awareness Week. Hon’ble Chancellor Dr. Zora Singh and Pro-Chancellor Dr. Tejinder Kaur lauded the department’s efforts and highlighted the importance of compassion and awareness toward mental health.

Vice-Chancellor Dr. Harsh Sadawarti announced the establishment of the Centre of Psychology and Behavioural Science, a new initiative for research, training, and outreach. Various departments including Ayurveda, Nursing, Engineering, Physiotherapy, and Business and Management actively participated through seminars, Nukkad Nataks, and awareness drives promoting self-care and stress management.

The grand finale featured cultural performances, expert talks, and mental health activities led by Clinical Psychologists Ms. Shruti, Ms. Arzoo, and Ms. Hasrat Kaur Sran.

Chancellor Dr. Zora Singh addressed the gathering, highlighting the crucial need to understand, acknowledge, and prioritize mental well-being.

The event concluded with a Vote of Thanks delivered by Dr. Precious (Director), who appreciated the collective efforts of students and faculty in fostering emotional wellness and reaffirmed the university’s commitment to promoting mental health as a universal human right.

देश भगत यूनिवर्सिटी ने सप्ताह भर चलने वाले जागरूकता अभियान के साथ मनाया विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2025

देश भगत यूनिवर्सिटी के एजुकेशन फेकलटी के अंतर्गत क्लीनिकल साइकोलॉजी विभाग की ओर से एडुसीयर क्लब के तहत विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2025 को बड़े उत्साह के साथ मनाया गया, जिसका विषय था सेवाओं तक पहुंच – आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य। सप्ताह भर चलने वाले इस समारोह की शुरुआत शुभारंभ के साथ हुई, जिसने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह का उद्‌घाटन किया।

इस मौके देश भगत यूनिवर्सिटी के माननीय चांसलर डॉ. जोरा सिंह और माननीय प्रो–चांसलर डॉ. तजिंदर कौर ने विभाग के प्रयासों की सराहना की और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति करुणा और जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस दौरान वाईस चांसलर डॉ. हर्ष सदावर्ती ने मनोविज्ञान एवं व्यवहार विज्ञान केंद्र की स्थापना की घोषणा की, जो अनुसंधान, प्रशिक्षण और आउटरीच के लिए एक नई पहल है। आयुर्वेद, नर्सिंग, इंजीनियरिंग, फिजियोथेरेपी और व्यवसाय एवं प्रबंधन सहित विभिन्न विभागों ने सेमिनारों, नुक्कड़ नाटकों और आत्म–देखभाल तथा तनाव प्रबंधन को बढ़ावा देने वाले जागरूकता अभियानों के माध्यम से सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस प्रोग्राम के ग्रैंड फिनाले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, विशेषज्ञ वार्ताएं और मानसिक स्वास्थ्य गतिविधियां शामिल थीं, जिनका नेतृत्व क्लिनिकल मनोवैज्ञानिक श्रुति, आरजू और हसरत कौर सरां ने किया। इस कार्यक्रम का समापन निदेशक डॉ. प्रीशियस के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

THE NEWSLETTER

Desh Bhagat University's Faculty of Education Welcomes New Students with Fresher's Party

The Faculty of Education, Desh Bhagat University, organized a vibrant Fresher's Party under the banner of the Educere Club to warmly welcome new students from RCI, NCTE, and UGC programs.

The event was graced by Hon'ble Chancellor Dr. Zora Singh, Pro-Chancellor Dr. Tejinder Kaur and Vice-Chancellor Dr. Harsh Sadawarti, who appreciated the department's efforts and motivated students to embrace learning with enthusiasm and positivity.

A warm welcome address by Dr. Precious, Director, set the tone for the celebration, which featured colorful cultural performances, a lively ramp walk, and fun-filled activities. Students were recognized with titles such as Mr. and Ms. Fresher, Best Personality, and Best Smile.

A special highlight of the day was the participation of university dignitaries in the ramp walk, adding joy and charm to the occasion. The event concluded with a Vote of Thanks by Dr. Precious, who applauded everyone's efforts and encouraged students to pursue excellence with compassion and confidence.

देश भगत यूनिवर्सिटी की एजुकेशन फेकलटी ने फ्रेशर्स पार्टी 2025 के साथ नए छात्रों का किया स्वागत

देश भगत यूनिवर्सिटी की एजुकेशन फेकलटी ने आरसीआई, एनसीटीई और यूजीसी कार्यक्रमों के नए विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए एडुसीयर क्लब के बैनर तले एक फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में देश भगत यूनिवर्सिटी के माननीय चांसलर डॉ. जोरा सिंह, प्रो–चांसलर डॉ. तेजिंदर कौर और वाइस चांसलर डॉ. हर्ष सदावर्ती उपस्थित थे, जिन्होंने विभाग के प्रयासों की सराहना की और छात्रों को उत्साह और सकारात्मकता के साथ सीखने के लिए प्रेरित किया।

निदेशक डॉ. प्रीशियस के गर्मजोशी भरे स्वागत भाषण ने समारोह की शुरुआत की, जिसमें रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, रैंप वॉक और मनोरंजक गतिविधियाँ शामिल थीं। इस दौरान छात्रों को मिस्टर और मिस फ्रेशर, बेस्ट पर्सनालिटी और बेस्ट स्माइल जैसे खिताबों से सम्मानित भी किया गया।

इस दिन का एक विशेष आकर्षण रैंप वॉक में यूनिवर्सिटी के गणमान्य व्यक्तियों की भागीदारी रही, जिसने इस अवसर को और भी आनंदमय और आकर्षक बना दिया।

इस कार्यक्रम का समापन डॉ. प्रीशियस के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने सभी के प्रयासों की सराहना की और छात्रों को करुणा और आत्मविश्वास के साथ उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।

THE NEWSLETTER

Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972
NAAC GRADE A+
ACCREDITED UNIVERSITY

Guest Lecture on Current Good Manufacturing Practices Organized at Desh Bhagat University

On the occasion of the 3rd National Current Good Manufacturing Practice (cGMP) Day, the Placebo Club, School of Pharmacy, S. Lal Singh Memorial College of Pharmacy, and Mata Jarnail K. College of Pharmacy, in collaboration with the Institution's Innovation Council (IIC) and IQAC, Desh Bhagat University, organized an online guest lecture.

Dr. Keshav Jindal, Professor (Pharmaceutics), Adesh Institute of Pharmacy and Biomedical Sciences, Adesh University, Bathinda, was the eminent speaker for the session. He was warmly welcomed by Ms. Shivani Kumari, Assistant Professor, School of Pharmacy.

Dr. Jindal highlighted the importance of current Good Manufacturing Practices (cGMP) and discussed key concepts such as Quality by Design (QbD), risk management, critical process parameters, critical quality attributes, and optimization techniques using Minitab. The lecture concluded with an interactive question-and-answer session, where students actively engaged with the expert.

The session proved to be highly informative and insightful, enhancing students' understanding of pharmaceutical quality standards and their global relevance. The event concluded with a vote of thanks delivered by Dr. Puja Gulati.

देश भगत यूनिवर्सिटी में वर्तमान गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस पर माहिर भाषण का आयोजन

तीसरे राष्ट्रीय वर्तमान गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (सीजीएमपी) दिवस के अवसर पर, प्लेसबो क्लब, स्कूल ऑफ फार्मेसी, एस. लाल सिंह मेमोरियल कॉलेज ऑफ फार्मेसी, और माता जरनैल कौर कॉलेज ऑफ फार्मेसी ने इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) और आईक्यूएसी, देश भगत यूनिवर्सिटी के सहयोग से एक ऑनलाइन माहिर भाषण का आयोजन किया।

डॉ. केशव जिंदल, प्रोफेसर (फार्मास्युटिक्स), आदेश इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एंड बायोमेडिकल साइंसेज, आदेश यूनिवर्सिटी, बठिंडा, इस सत्र के प्रमुख वक्ता थे। फार्मेसी स्कूल की सहायक प्रोफेसर शिवानी कुमारी ने उनका हार्दिक स्वागत किया।

अपने संबोधन में डॉ. जिंदल ने वर्तमान उत्तम विनिर्माण पद्धतियों (सीजीएमपी) के महत्व पर प्रकाश डाला और डिजाइन द्वारा गुणवत्ता (क्यूबीडी), जोखिम प्रबंधन, महत्वपूर्ण प्रक्रिया मापदंडों, महत्वपूर्ण गुणवत्ता विशेषताओं और मिनी टैब का उपयोग करके अनुकूलन तकनीकों जैसी प्रमुख अवधारणाओं पर चर्चा की।

इस व्याख्या का समापन एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जहां छात्रों ने विशेषज्ञों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की।

इस आयोजन को देश भगत यूनिवर्सिटी के माननीय चांसलर डॉ. जोरा सिंह और माननीय प्रो–चांसलर डॉ. तजिंदर कौर से उच्च प्रशंसा और प्रोत्साहन मिला।

यह सत्र अत्यंत जानकारीपूर्ण और व्यावहारिक साबित हुआ, जिससे छात्रों की दवा गुणवत्ता मानकों और उनकी वैश्विक प्रासंगिकता के बारे में समझ बढ़ी। कार्यक्रम का समापन डॉ. पूजा गुलाटी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

October 2025

THE NEWSLETTER

Desh Bhagat University Hosts National Seminar on "Banda Singh Bahadur: A Saga of Courage and Sacrifice"

Desh Bhagat University, Mandi Gobindgarh, under its Centre for South Asian Studies and Faculty of Social Sciences and Languages, was successfully host a National Seminar on "Banda Singh Bahadur: A Saga of Courage and Sacrifice". The seminar was an important academic event, and it brought distinguished historians, scholars, and academicians from all over the country into one platform to discuss the life, leadership, and legacy of the great Sikh saint and warrior Baba Banda Singh Bahadur.

Convened at the Mahapragya and APJ Abdul Kalam seminar Halls, the event saw 39 research papers being presented on the multi-dimensional aspects of Baba Banda Singh Bahadur's life ranging from his military tactics and spiritual evolution to his administration and final sacrifice.

The keynote lecture was given by Pro. Kuldeep Chand Agnihotri, Executive Vice Chairman, Haryana Sahitya and Sanskriti Academy and former Vice Chancellor, Central University of Himachal Pradesh. He spoke about three grand phases in the life of Baba Banda Singh Bahadur, calling for attention to the least discussed middle phase and calling for strenuous scholarly effort based on Persian sources for corrective historical reconstruction.

Dr. Shiv Shankar Pahwa, National President of Baba Banda Singh Bahadur Sikh Sampradaye (Bharat), emphasized the multi-dimensional nature of Banda Singh Bahadur, pondering over his spiritual transformation after being introduced to Guru Gobind Singh. He asked a thought-evoking question on whether their encounter was preordained or spiritually predetermined.

Pro-Vice Chancellor (Academics) Professor Amarjit Singh pointed out that Guru Gobind Singh Ji had given Banda Singh Bahadur complete symbols of sovereignty like the flag, nagara, arrow, and army, a gesture which confirmed his rightful leadership and mission.

In the valedictory speech, Vice Chancellor of Sant Baba Bhag Singh University Professor Dharmjit Singh called upon researchers to conduct comparative research on Persian and Gurmukhi sources in order to attain comprehensive and balanced historical studies.

The seminar featured four concurrent technical sessions, presided over by outstanding scholars and delivered by lead lectures from Professor Jaspal Kaur, Professor S.S. Sohal, and Professor Daljit Singh, respectively, and followed by rich scholarly presentations and discussion. Professor Balwinder Kaur Bhatti, Dr. Dharmvir, and Dr. Suman Siwach also made notable contributions and presented their views on different themes from the life and influence of Banda Singh Bahadur.

The seminar began with a befitting grand inaugural session comprising traditional lamp lighting, flower welcome, DBU anthem, and formal opening of the theme of the seminar by Professor Ram Singh Gurna, Director of the Seminar. The dignitaries who were present comprised Hon'ble Chancellor Dr. Zora Singh, Pro-Chancellor Dr. Tajinder Kaur, Vice Chancellor Dr Harsh Sadawarti, Pro-Vice Chancellor Professor Amarjit Singh, Dr. Renu Sharma, and senior faculty members.

During the valedictory session, the commitments of the university to facilitate intensive research on national heroes such as Baba Banda Singh Bahadur were renewed by Dr. Zora Singh and Dr. Tajinder Kaur. S. Lakhwinderpal Singh Grewal, Chairman of the Savtantrta Senani Raja Ajit Singh Ladwa Memorial Trust, was also in attendance and contributed his thoughts.

Professor Ram Singh Gurna delivered the seminar report of prominent findings, followed by Dr. Dharminder Singh, who brought the proceedings to a close with a vote of thanks. The seminar was brought to a close with the National Anthem, symbolizing the successful completion of an intellectually enriching historically important event.

देश भगत विश्वविद्यालय ने ''बंदा सिंह बहादुरः साहस और बलिदान की गाथा'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

देश भगत विश्वविद्यालय, मंडी गोबिंदगढ़ ने अपने दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र और सामाजिक विज्ञान एवं भाषा संकाय के अंतर्गत ''बंदा सिंह बहादुरः साहस और बलिदान की गाथा'' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह संगोष्ठी एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक कार्यक्रम था, और इसने देश भर के प्रतिष्ठित इतिहासकारों, विद्वानों और शिक्षाविदों को महान सिख संत और योद्धा बाबा बंदा सिंह बहादुर के जीवन, नेतृत्व और विरासत पर चर्चा करने के लिए एक मंच पर लाया।

महाप्रज्ञ और एपीजे अब्दुल कलाम सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में बाबा बंदा सिंह बहादुर के जीवन के बहुआयामी पहलुओं पर 39 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें उनकी सैन्य रणनीति और आध्यात्मिक विकास से लेकर उनके प्रशासन और अंतिम बलिदान तक शामिल थे।

मुख्य व्याख्यान हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने दिया। उन्होंने बाबा बंदा सिंह बहादुर के जीवन के तीन महान चरणों के बारे में बताया, और कम चर्चित मध्य चरण पर ध्यान देने और सुधारात्मक ऐतिहासिक पुनर्निर्माण के लिए फारसी स्रोतों पर आधारित गहन विद्वत्तापूर्ण प्रयास का आह्वान किया।

बाबा बंदा सिंह बहादुर सिख संप्रदाय (भारत) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शिव शंकर पाहवा ने गुरु गोबिंद सिंह से परिचय के बाद बंदा सिंह बहादुर के आध्यात्मिक परिवर्तन पर विचार करते हुए उनके बहुआयामी स्वभाव पर जोर दिया। उन्होंने एक विचारोत्तेजक प्रश्न पूछा कि क्या उनका मिलन पूर्वनिर्धारित था या आध्यात्मिक रूप से पूर्वनिर्धारित।

प्रो–वाइस चांसलर (अकादमिक) प्रोफेसर अमरजीत सिंह ने बताया कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने बंदा सिंह बहादुर को ध्वज, नगाड़ा, तीर और सेना जैसे संप्रभुता के संपूर्ण प्रतीक दिए थे, जो उनके सही नेतृत्व और मिशन की पुष्टि करता है।

समापन भाषण में, संत बाबा भाग सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर धर्मजीत सिंह ने शोधकर्ताओं से व्यापक और संतुलित ऐतिहासिक अध्ययन प्राप्त करने के लिए फारसी और गुरुमुखी स्रोतों पर तुलनात्मक शोध करने का आह्वान किया।

इस संगोष्ठी में चार तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनकी अध्यक्षता प्रख्यात विद्वानों ने की और क्रमशः प्रोफेसर जसपाल कौर, प्रोफेसर एस.एस सोहल और प्रोफेसर दलजीत सिंह ने प्रमुख व्याख्यान दिए। इसके बाद समृद्ध विद्वत्तापूर्ण प्रस्तुतियाँ और चर्चाएँ हुईं। प्रोफेसर बलविंदर कौर भट्टी, डॉ. धर्मवीर और डॉ. सुमन सिवाच ने भी उल्लेखनीय योगदान दिया और बंदा सिंह बहादुर के जीवन और प्रभाव से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

संगोष्ठी की शुरुआत एक भव्य उद्घाटन सत्र के साथ हुई, जिसमें पारंपरिक दीप प्रज्वलन, पुष्पांजलि, डीबीयू गान और संगोष्ठी के निदेशक प्रोफेसर राम सिंह गुरना द्वारा संगोष्ठी के विषय का औपचारिक उद्घाटन शामिल था। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में माननीय कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह, प्रो–चांसलर डॉ. तजिंदर कौर, कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती, प्रो–वइस चांसलर प्रोफेसर अमरजीत सिंह, डॉ. रेणु शर्मा और वरिष्ठ संकाय सदस्य शामिल थे।

समापन सत्र के दौरान, डॉ. जोरा सिंह और डॉ. तजिंदर कौर ने बाबा बंदा सिंह बहादुर जैसे राष्ट्रीय नायकों पर गहन शोध को सुविधाजनक बनाने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धताओं को दोहराया। स्वतंत्रता सेनानी राजा अजीत सिंह लाडवा मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री लखविंदरपाल सिंह ग्रेवाल भी उपस्थित थे और उन्होंने अपने विचार प्रस्तुत किए।

प्रोफेसर राम सिंह गुरना ने प्रमुख निष्कर्षों पर संगोष्ठी की रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसके बाद डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यवाही का समापन किया। संगोष्ठी का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जो एक बौद्धिक रूप से समृद्ध और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण आयोजन के सफल समापन का प्रतीक था।

THE NEWSLETTER

Desh Bhagat University Celebrates Diwali with Festive Spirit and Creativity

The Faculty of Education at Desh Bhagat University celebrated Diwali, the festival of lights, with great enthusiasm, creativity, and joy. The university campus came alive with vibrant decorations and festive energy as students participated in a range of engaging competitions including Rangoli Making, Poster Making, Slogan Writing, Candle Decoration, Mehndi, Diya Decoration, and Classroom Decoration. Each event showcased the students' artistic talents and festive spirit.

Students from all departments under the Faculty of Education took part with exceptional zeal, making the celebration even more lively and colorful. The event was graced by Hon'ble Chancellor Dr. Zora Singh and Pro-Chancellor Dr. Tajinder Kaur, who extended warm Diwali greetings and conveyed their best wishes for happiness and prosperity to all.

Vice Chancellor Dr. Harsh Sadawarti and Director of the Faculty of Education Dr. Precious appreciated the creativity and effort of the participants, encouraging students to continue exploring their artistic potential.

In the various competitions, the following students stood out: Rangoli Making: First Prize – Nitu, Second Prize – Veer Kaur,

Slogan Writing: First Prize – Samaran Kaur, Candle Decoration: First Prize – Sukhdeep Kaur, Second Prize – Suman Kumari,

Mehndi Competition: First Prize – Karan, Diya Decoration: First Prize – Harpreet Kaur, Second Prize – Mehak. In Classroom Decoration Harpreet Kaur won the first Prize.

The celebration concluded with a round of applause and appreciation for all participants. The Diwali festivities at Desh Bhagat University truly reflected the spirit of light, unity, and creativity, lighting up the campus with joy and cultural vibrancy.

As a token of appreciation, the DBU management also distributed gifts to all faculty and staff members, extending warm wishes for a prosperous and joyful Diwali.

देश भगत विश्वविद्यालय ने उत्सवी भावना और रचनात्मकता के साथ मनाई दिवाली

देश भगत विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय ने प्रकाश के त्योहार दिवाली को बड़े उत्साह, रचनात्मकता और आनंद के साथ मनाया। विश्वविद्यालय परिसर जीवंत सजावट और उत्सवी ऊर्जा से सराबोर हो गया क्योंकि छात्रों ने रंगोली बनाना, पोस्टर बनाना, नारा लेखन, मोमबत्ती सजावट, मेहंदी, दीया सजावट और कक्षा सजावट जैसी कई आकर्षक प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रत्येक प्रतियोगिता में छात्रों की कलात्मक प्रतिभा और उत्सवी भावना का प्रदर्शन हुआ।

शिक्षा संकाय के अंतर्गत सभी विभागों के छात्रों ने असाधारण उत्साह के साथ भाग लिया, जिससे उत्सव और भी जीवंत और रंगीन हो गया। इस कार्यक्रम में माननीय कुलाधिपति डॉ. जोरा सिंह और प्रो–कुलाधिपति डॉ. तजिंदर कौर ने भी भाग लिया, जिन्होंने दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और सभी के लिए सुख–समृद्धि की कामना की।

कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती और शिक्षा संकाय निदेशक डॉ. प्रीशियस ने प्रतिभागियों की रचनात्मकता और प्रयास की सराहना की और छात्रों को अपनी कलात्मक क्षमता को निरंतर तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में, निम्नलिखित छात्र अव्वल रहे: रंगोली बनाना: प्रथम पुरस्कार – नीतू, द्वितीय पुरस्कार – वीर कौर, नारा लेखन: प्रथम पुरस्कार – समरन कौर, मोमबत्ती सजावट: प्रथम पुरस्कार – सुखदीप कौर, द्वितीय पुरस्कार – सुमन कुमारी, मेहंदी प्रतियोगिता: प्रथम पुरस्कार – करण, दीया सजावट: प्रथम पुरस्कार – हरप्रीत कौर, द्वितीय पुरस्कार – महक। कक्षा सजावट में हरप्रीत कौर ने प्रथम पुरस्कार जीता।

समारोह का समापन सभी प्रतिभागियों के लिए तालियों और प्रशंसा के साथ हुआ। देश भगत विश्वविद्यालय में दिवाली उत्सव ने वास्तव में प्रकाश, एकता और रचनात्मकता की भावना को प्रतिबिंबित किया, जिसने परिसर को आनंद और सांस्कृतिक जीवंतता से जगमगा दिया।

सराहना के प्रतीक के रूप में, डीबीयू प्रबंधन ने सभी संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को उपहार भी वितरित किए और एक समृद्ध और आनंदमय दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

THE NEWSLETTER

Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972
NAAC GRADE A+ ACCREDITED UNIVERSITY

Desh Bhagat University Launches B.Sc. (Hons) Agriculture Programme Approved by PSCAE

The Faculty of Agriculture and Life Sciences at Desh Bhagat University, Mandi Gobindgarh, Punjab, announced the launch of its B.Sc. (Hons) Agriculture programme, following official approval from the Punjab State Council for Agricultural Education.

This milestone shows the university's commitment to promoting agricultural education, innovation, and sustainable development. The new programme aims to provide students with solid knowledge of modern farming practices, agri-business management, and new technologies in agriculture.

Dr. Zora Singh, Chancellor, expressed pride in this achievement. He stated that Desh Bhagat University continues to expand its academic offerings in line with national priorities. Dr. Tajinder Kaur, Pro-Chancellor, and Dr. Sandeep Singh, President, also congratulated the Faculty of Agriculture and Life Sciences for this important recognition.

The launch event featured university officials, faculty members, and students.

During the event, Dr. Harsh Sadawarti, Vice Chancellor, congratulated the Faculty of Agriculture and Life Sciences for this achievement. He emphasized that the programme will create new opportunities for rural youth and enhance the agricultural ecosystem in Punjab.

The B.Sc. (Hons) Agriculture programme at Desh Bhagat University aims to develop skilled professionals who will help improve food security, protect the environment, and foster agri-entrepreneurship.

देश भगत विश्वविद्यालय ने पंजाब राज्य कृषि शिक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित बी.एससी. (आर्नस) कृषि कार्यक्रम का शुभारंभ किया

देश भगत विश्वविद्यालय, मंडी गोबिंदगढ़, पंजाब के कृषि एवं जीव विज्ञान संकाय ने पंजाब राज्य कृषि शिक्षा परिषद से आधिकारिक अनुमोदन प्राप्त होने के बाद, अपने बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा की।

यह उपलब्धि कृषि शिक्षा, नवाचार और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। नए कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक कृषि पद्धतियों, कृषि–व्यवसाय प्रबंधन और कृषि में नई तकनीकों का ठोस ज्ञान प्रदान करना है।

चांसलर डॉ. जोरा सिंह ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश भगत विश्वविद्यालय राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों का निरंतर विस्तार कर रहा है। प्रो–चांसलर डॉ. तजिंदर कौर और अध्यक्ष डॉ. संदीप सिंह ने भी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए कृषि एवं जीव विज्ञान संकाय को बधाई दी।

इस शुभारंभ समारोह में विश्वविद्यालय के अधिकारी, संकाय सदस्य और छात्र शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान, कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती ने कृषि एवं जीव विज्ञान संकाय को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करेगा और पंजाब में कृषि पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगा। देश भगत विश्वविद्यालय में बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे कुशल पेशेवरों को तैयार करना है जो खाद्य सुरक्षा में सुधार, पर्यावरण संरक्षण और कृषि–उद्यमिता को बढ़ावा देने में मदद करेंगे।

THE NEWSLETTER

Desh Bhagat University Organizes Five-Day National-Level FDP on Emerging Trends in Clinical Nursing

The School of Nursing, Desh Bhagat University, successfully organized a Five-Day Online National Level Faculty Development Programme (FDP), accredited with 8 Credit Hours by the Punjab Nurses Registration Council (PNRC), Mohali.

Themed "Emerging Trends and Technological Advancements in Clinical Nursing," the FDP aimed to empower nursing educators with the latest knowledge, enhance clinical competencies, and integrate evidence-based practices into teaching and patient care.

The programme was inaugurated by Dr. Zora Singh Chancellor and Dr. Tejinder Kaur Pro-Chancellor, Desh Bhagat University, who lauded the initiative for promoting innovation in nursing education.

Motivational messages were also shared by Dr. Sandeep Singh, President, and Dr. Harsh Sadawarti, Vice Chancellor, highlighting the importance of continuous professional growth.

The welcome address was presented by Prof. (Dr.) Lovesampuranjot Kaur and Prof. (Dr.) Prabhjot Singh, Deputy Director, School of Nursing. The honorary Patron, Dr. Puneet Girdhar, Registrar, PNRC, Mohali, delivered an insightful address emphasizing the significance of faculty development and technological integration in nursing.

Throughout the five days, distinguished national experts including Prof. (Dr.) Anu Gauba (GD Goenka University), Ms. Sanjenbam Emon Chanu and Prof. (Dr.) Raj Kumari Sylvia Devi (Himalayan College of Nursing), Dr. Amandeep Kaur Bajwa (SGRD, Amritsar), Prof. (Dr.) Davinder Kaur (Gian Sagar College of Nursing), and Prof. (Dr.) Bharat Pareek (Eternal University) conducted interactive sessions on specialized nursing domains.

The FDP provided a vibrant platform for knowledge sharing, skill enhancement, and professional networking, focusing on simulation-based learning, digital tools, and emerging technologies in nursing education.

देश भगत यूनिवर्सिटी ने क्लिनिकल नर्सिंग में उभरते रुझानों पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की एफडीपी का किया आयोजन

देश भगत यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ नर्सिंग ने पंजाब नर्स पंजीकरण परिषद (पीएनआरसी), मोहाली द्वारा 8 क्रेडिट घंटे के साथ मान्यता प्राप्त पांच दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया।

क्लिनिकल नर्सिंग में उभरते रुझान और तकनीकी प्रगति विषय पर आधारित इस एफडीपी का उद्देश्य नर्सिंग शिक्षकों को नवीनतम ज्ञान से सशक्त बनाना, नैदानिक दक्षताओं को बढ़ाना और शिक्षण और रोगी देखभाल में साक्ष्य–आधारित प्रथाओं को एकीकृत करना था।

कार्यक्रम का उद्घाटन देश भगत यूनिवर्सिटी के माननीय चांसलर डॉ. जोरा सिंह और माननीय प्रो–चांसलर डॉ. तेजिंदर कौर ने किया, जिन्होंने नर्सिंग शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देने की पहल की सराहना की।

प्रेसिडेंट डॉ. संदीप सिंह और वाईस चांसलर डॉ. हर्ष सदावर्ती ने भी प्रेरक संदेश साझा किए, जिनमें निरंतर व्यावसायिक विकास के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

स्वागती भाषण डॉ. लवसमपूरनजोत कौर और डॉ. प्रभजोत सिंह, उप निदेशक, नर्सिंग स्कूल ने दिया। आनरेरी पैटर्न, डॉ. पुनीत गिरधर, रजिस्ट्रार, पीएनआरसी, मोहाली ने नर्सिंग में फैकल्टी विकास और तकनीकी एकीकरण के महत्व पर जोर देते हुए एक सारगर्भित भाषण दिया।

पांच दिनों के दौरान, प्रो. (डॉ.) अनु गौबा (जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी), सुश्री संजेनबाम इमोन चानू और प्रो. (डॉ.) राज कुमारी सिल्विया देवी (हिमालयन कॉलेज ऑफ नर्सिंग), डॉ. अमनदीप कौर बाजवा (एसजीआरडी, अमृतसर), प्रो. (डॉ.) दविंदर कौर (ज्ञान सागर कॉलेज ऑफ नर्सिंग), और प्रो. (डॉ.) भारत पारीक (इंटरनल यूनिवर्सिटी) सहित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने विशेष नर्सिंग डोमेन पर इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए।

इस एफडीपी ने ज्ञान साझा करने, कौशल संवर्धन और पेशेवर नेटवर्किंग के लिए एक जीवंत मंच प्रदान किया, जिसमें सिमुलेशन–आधारित शिक्षा, डिजिटल उपकरण और नर्सिंग शिक्षा में उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

THE NEWSLETTER

Anti-Ragging Programme Conducted in Desh Bhagat Dental College & Hospital

Desh Bhagat Dental College & Hospital, Mandi Gobindgarh, conducted an Anti-Ragging Programme to sensitize students about the need to ensure a safe and respectful campus life.

The occasion was honored by the presence of Dr. Sunil Malhan, Professor and Head Department of Conservative Dentistry and Endodontics at Desh Bhagat Dental College & Hospital, and a Member of Dental Council of India.

The programme was started with a welcome and felicitation of the guest by Dr. Vikram Bali, Principal, Desh Bhagat Dental College & Hospital. In his speech, Dr. Bali welcomed all the students and expressed his thoughts on the anti-ragging efforts of the institute and the working of the Anti-Ragging Committee.

This was preceded by an eye-opening lecture given by Dr. Sunil Malhan, who discussed at length the theory of ragging, its negative consequences, and the legal as well as moral implications involved in it. He urged students to develop a culture of respect for each other and to actively discourage ragging on the campus.

The programme ended with a vote of thanks by Dr. Vikram Bali, who thanked the guest for coming and praised the efforts of the organizing committee in conducting the awareness programme successfully.

The programme was extremely informative and reaffirmed the institution's resolve to provide a ragging-free, student-friendly atmosphere.

देश भगत डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल में रैगिंग विरोधी कार्यक्रम आयोजित

देश भगत डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल, मंडी गोबिंदगढ़ ने छात्रों को सुरक्षित और सम्मानजनक परिसर जीवन सुनिश्चित करने की आवश्यकता के प्रति जागरूक करने के लिए एक रैगिंग विरोधी कार्यक्रम आयोजित किया।

इस अवसर पर देश भगत डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल के कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडोंटिक्स विभाग के प्रोफेसर एवं प्रमुख तथा भारतीय दंत चिकित्सा परिषद के सदस्य डॉ. सुनील मल्हान की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरुआत देश भगत डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल के प्राचार्य डॉ. विक्रम बाली द्वारा अतिथियों के स्वागत एवं अभिनंदन के साथ हुई। अपने भाषण में डॉ. बाली ने सभी छात्रों का स्वागत किया और संस्थान के रैगिंग विरोधी प्रयासों और रैगिंग विरोधी समिति की कार्यप्रणाली पर अपने विचार व्यक्त किए।

इससे पहले डॉ. सुनील मल्हान ने एक महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने रैगिंग के सिद्धांत, इसके नकारात्मक परिणामों और इसके कानूनी एवं नैतिक निहितार्थों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने छात्रों से एक–दूसरे के प्रति सम्मान की संस्कृति विकसित करने और परिसर में रैगिंग को सक्रिय रूप से हतोत्साहित करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम का समापन डॉ. विक्रम बाली के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने अतिथियों के आगमन के लिए आभार व्यक्त किया और जागरूकता कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम अत्यंत जानकारीपूर्ण था और इसने रैगिंग–मुक्त, छात्र–अनुकूल वातावरण प्रदान करने के संस्थान के संकल्प की पुष्टि की।

THE NEWSLETTER

Desh Bhagat University Becomes First in Punjab to Sign MoU with Special Olympics Bharat

Desh Bhagat University (DBU) achieved another milestone by signing a Memorandum of Understanding (MoU) with Special Olympics Bharat (SOB) Punjab at the university campus.

Under the leadership of Hon'ble Chancellor Dr. Zora Singh, Pro-Chancellor Dr. Tejinder Kaur, President Dr. Sandeep Singh, and Vice Chancellor Dr. Harsh Sadawarti, Desh Bhagat University has become the first university in Punjab to officially collaborate with Special Olympics Bharat, which is led nationally by President Dr. Mallika Nadda. This marks the first-ever MoU of its kind in the Punjab region, signifying DBU's commitment to advancing inclusive healthcare and education.

The ceremony was attended by prominent officials and academicians. Representing Desh Bhagat University were Dr. Vikram Bali (Principal, Desh Bhagat Dental College), Dr. Tejveer Singh (Vice Principal, Desh Bhagat Dental College), Dr. Manmohit Singh (Professor and Clinical Director ,Special Smiles, Special Olympics Bharat Punjab), and Dr. Ravneet Kaur (Associate Professor and Clinical Director, Special Olympics Bharat, DBU).

From Special Olympics Bharat – Punjab, the distinguished dignitaries present included Col. Karminder Singh (Advisor, SOB Punjab), Mr. Paramjit Singh Sachdeva (Area Director, SOB Punjab), Mr. Anil Goyal (Treasurer, SOB Punjab), Mr. Uma Shankar (Program Manager, SOB Punjab), and Mr. Niranjan Kumar (Member, SOB Punjab).

The MoU aims to establish a collaborative framework for the exchange and dissemination of knowledge related to the healthcare needs of individuals with intellectual disabilities. As part of this partnership, Desh Bhagat University will actively support Special Olympics Bharat's Healthy Athletes and Healthy Community Programs, including: Special Smiles (Dental),Fun Fitness (Physiotherapy),Fit Feet (Podiatry),Healthy Hearing (Audiology), Med Fest (Sports Physical Exam),Opening Eyes (Ophthalmology),Health Promotion.

Speaking on the occasion, university leaders highlighted the significance of this collaboration in promoting inclusive healthcare and community well-being.

देश भगत विश्वविद्यालय, स्पेशल ओलंपिक भारत के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाला पंजाब का पहला विश्वविद्यालय बना

देश भगत यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. जोरा सिंह, प्रो–चांसलर डॉ. तेजिंदर कौर, प्रेजिडेंट डॉ. संदीप सिंह और कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती के नेतृत्व में, देश भगत विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय परिसर में स्पेशल ओलंपिक भारत (एसओबी) पंजाब के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

देश भगत विश्वविद्यालय स्पेशल ओलंपिक भारत के साथ आधिकारिक रूप से साझेदारी करने वाला पंजाब का पहला विश्वविद्यालय बन गया है, जिसका राष्ट्रीय स्तर पर अध्यक्ष डॉ. मल्लिका नड्डा द्वारा नेतृत्व किया जाता है। यह समझौता ज्ञापन पंजाब क्षेत्र में किसी विश्वविद्यालय और स्पेशल ओलंपिक भारत के बीच अपनी तरह की पहली साझेदारी का प्रतिनिधित्व करता है।

इस समारोह में देश भगत डेंटल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. विक्रम बाली, देश भगत डेंटल कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल डॉ. तेजवीर सिंह, स्पेशल ओलंपिक भारत पंजाब में प्रोफेसर और क्लिनिकल डायरेक्टर (स्पेशल स्माइल्स) डॉ. मनमोहित सिंह शामिल हुए। और देश भगत विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर और क्लिनिकल डायरेक्टर (स्पेशल ओलंपिक भारत) डॉ. रवनीत कौर।

स्पेशल ओलंपिक भारत पंजाब का प्रतिनिधित्व करते हुए, उपस्थित लोगों में कर्नल करमिंदर सिंह (सलाहकार, एसओबी पंजाब), श्री परमजीत सिंह सचदेवा (क्षेत्र निदेशक, एसओबी पंजाब), श्री अनिल गोयल (कोषाध्यक्ष, एसओबी पंजाब), श्री उमा शंकर (कार्यक्रम प्रबंधक, एसओबी पंजाब), और श्री निरंजन कुमार (सदस्य, एसओबी पंजाब) शामिल थे।

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य बौद्धिक अक्षमताओं वाले लोगों की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं से संबंधित ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा करने के लिए एक मंच तैयार करना है। इस साझेदारी के माध्यम से, देश भगत विश्वविद्यालय स्पेशल ओलंपिक भारत के स्वस्थ एथलीटध्स्वस्थ समुदाय कार्यक्रमों का समर्थन करेगा। इन कार्यक्रमों में स्पेशल स्माइल्स (डेंटल), फन फिटनेस (फिजियोथेरेपी), फिट फीट (पोडियाट्री), हेल्दी हियरिंग (ऑडियोलॉजी), मेडफेस्ट (स्पोर्ट्स फिजिकल एग्जामिनेशन), ओपनिंग आइज (नेत्र विज्ञान), और स्वास्थ्य संवर्धन शामिल हैं।

यह सहयोग एक सार्थक साझेदारी की शुरुआत है, जो स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, समावेशन को बढ़ावा देने, तथा शैक्षणिक और नैदानिक सहभागिता के माध्यम से बौद्धिक विकलांगता वाले व्यक्तियों को सशक्त बनाने पर केंद्रित है।